Title: Demand to shift the schedule of a conference on ban of cow slaughter to be held at Red Fort, Delhi.

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बड़े विनम्र शब्दों के साथ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। देश के आदरणीय प्रधान मंत्री ने सरकार की तरफ से बार-बार यह आश्वासन दिया कि सारे देश में सदभावना बनाए रखनी चाहिए। सर्वधर्म-समभाव की प्रेरणा को जागृत करना चाहिए। जैनियों की, हिन्दुओं की जो भावना है, उसका भी आदर करना चाहिए और किसी भावना को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। हमारे संविधान में डायरेक्टिव प्रिंसिपल आफ स्टेट पालिसी में कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिनको हमने शुरू से ही चर्चा का आधार बनाया है और आम सहमति बनाने के लिए नेगोशिएट कर रहे हैं। कुछ प्रांतें कई मुद्दों पर सफल भी हुई हैं।

हमारे देश में यह परम्परा है कि किसी धर्म का कोई विषय हो तो उसे आदर के साथ मानना चाहिए, उससे किसी को चोट नहीं पहुंचनी चाहिए। देश में अल्पसंख्यकों को भी समझना चाहिए कि जो हिन्दू और जैन लोग हैं वे जिस दृष्टिकोण से गाय को गो माता कहते हैं, उन्हें भी चोट नहीं पहुंचानी चाहिए। हम आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि रमजान शुरु हो गए हैं, दस जनवरी को ईद के दिन इसका समापन होगा और उस दिन पूरा देश ईद मनाएगा।

महोदय, एक जनवरी को दिल्ली के रेडफोर्ट में कुछ सम्मेलन होगा। सम्मेलन के कार्यकर्ताओं के बारे में मैं कुछ नहीं कहना चाहूंगा, क्योंकि सब को अपनी-अपनी बात कहने का और सम्मेलन करने का अधिकार है। मेरा गृह मंत्री जी से सिर्फ इतना ही आग्रह है कि रमजान के समय और ईद के पहले जो सम्मेलन रेडफोर्ट में एक तारीख को

cow slaughter ban

और कुछ चर्चा के लिए होगा, उसके बारे में हम लोगों की ओर से और सरकार की तरफ से ऐसा कुछ प्रयास उन लोगों को समझाने के लिए होना चाहिए ताकि रमजान से लेकर ईद तक देश का वातावरण खराब न हो और अल्पसंख्यकों के दिल में भी कोई डर पैदा न हो। जब कि इस इश्यु के बारे में हम किसी पर लांच्छन नहीं लगाना चाहते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री जी का देश में सदभावना बनाए रखने के लिए आश्वसन है और गृह मंत्री जी का सब को प्रोटेक्शन देने के लिए आश्वासन है। मैं समझता हूं कि अगर सरकार से बात करके यह सम्मेलन ईद के बाद करते तो ठीक होता। सरकार को रमजान के समय इस तरफ कड़ी नजर रखनी चाहिए, इतना ही मेरा आग्रह है।

... (व्यवधान)

">

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : हमारे संविधान में भी इस बारे में लिखा हुआ है। जब आजादी मिली थी, महात्मा गांधी जी ने कहा था कि मैं पहला काम यह करूंगा कि देश में गो हत्या बंद की जाए। आज महात्मा गांधी जी और कांस्टीट्यूशन की बात को इस तरह से कहना, हमारे देश में इतने सारे महापुरुष हुए, गो हत्या बंद करने की बात करने से यह कहना कि यह देश का वातावरण बिगाड़ देगा, मैं समझता हूं कि इस बात को यहां कहने से ही वातावरण बिगड़ता है। गो हत्या बंद करने की बात कहना, इसको रोकना, क्या यह देश के अंदर वैमनस्य पैदा करता है? महात्मा गांधी जी ने भी इस बात को कहा।

... (व्यवधान)
इस तरह की बात यहां नहीं कहनी चाहिए।

... (व्यवधान)
">

">SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I did not say so.

">मेरी हिन्दी थोड़ी कमजोर हो सकती है, लेकिन मैंने जो कुछ कहा है वह किसी के अधिकार और संविधान के खिलाफ नहीं कहा।

">... (व्यवधान)
">जो लोग डर रहे हैं, उनके लिए मैंने कहा है।

">... (व्यवधान)
">मैंने टाइमिंग के बारे में कहा कि इस पर ध्यान देना चाहिए।

">... (व्यवधान)
">

">मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खण्डूडी (गढ़वाल) : वे समझते हैं कि यह किसी के खिलाफ है, वे किसी के खिलाफ नहीं हैं। एक साधारण कार्यक्रम कर रहे हैं, आप उसे तूल देंगे, हाईलाइट करेंगे कि लोगों के मन में उसके बारे में चर्चा हो तो यह अच्छी बात नहीं होगी।

... (व्यवधान)
">

">MR. SPEAKER: Nearly 52 hon. Members have given notice. Since today is the last day of this week, please sit down.

">Shri Singh Deo, today you have not given any notice before ten o" clock on this subject.